सतत शिक्षा अध्ययनशाला

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. जनसंख्या शिक्षा

LEARNING OBJECTIVE CURRICULUM FRAMEWORK

CBCS पाठ्यक्रम

सत्र 2019–2020

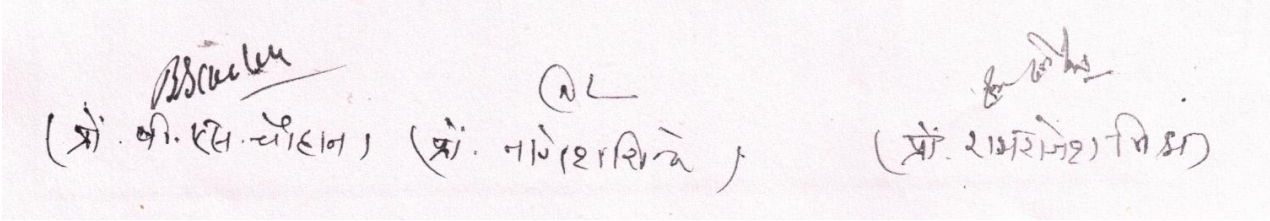

सतत् शिक्षा अध्ययनशाला

विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन

एम.ए जनसंख्या शिक्षा प्रथम सेमेस्टर

सत्र 2019–2020

CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURES CODE	TITLE OF THE COURES	COURES CREDITS	NO.OF HRS PER WEEK	WEIGTHAGE FOR SEMESTER END EXMAINATIÓN	WEIGHTAGE FOR INTERNATL EXMAINATION	TOTAL MARKS
	CCT-1	जनसंख्या आँकडों का स्त्रोत	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-2	जनसंख्या विश्लेषण की पद्धतियां	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-3	जनसंख्या संघटन	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-1	(1)जनसंख्या परिवर्तन	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-1	(2)जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-1	(3)जनसंख्या प्रविधियाँ	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-4	(4)जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)	5	5Hrs	60	40	100
	EDC-1	Entretpreneurship Development	4	4Hrs	48	32	80
	P-1	Seminar	2	2Hrs			40
	CVV-1	Comprehensive viva -voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note:

CORE COURSE -(CCT)

CORE ELECTIVE COURSE-(ECT)

PRACTICAL -(P)

COMPREHENSIVE VIVA-VOCE (CVV)

नोट–1 विषय समूह CCT-1,CCT-2,CCT-3 लेना अनिवार्य है।

नोट–2 विषय समूह ECT-1(1),ECT-1(2),ECT-1 (3),ECT-1(4) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

(प्रो. बी.एस.चौहान) (प्रो. नागेश्वरशिंदे) (प्रो. रामराजेश मिश्रा)

Scanned with CamScanner

सतत् शिक्षा अध्ययनशाला

विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन

एम.ए जनसंख्या शिक्षा द्वितीय सेमेस्टर

सत्र 2019–2020

CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURES CODE	TITLE OF THE COURES	COURES CREDITS	NO.OF HRS PER WEEK	WEIGTHAGE FOR SEMESTER END EXMAINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNATL EXMAINATION	TOTAL MARKS
	CCT-4	मृत्यु दर, अस्वस्थता	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-5	जनसंख्या स्वास्थ्य	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-6	जनसंख्या सिद्धान्त I	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(1)जनसंख्या परिवर्तन	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(2)जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(3)जनसंख्या प्रविधियाँ	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-2	(4)जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)	5	5Hrs	60	40	100
	EDC-2	Communication Skills	4	4Hrs	48	32	80
	P-2	Group Disscution	2	2Hrs			40
	CVV-2	Comprehensive viva -voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE -(CCT)

CORE ELECTIVE COURSE-(ECT)

PRACTICAL -(P)

COMPREHENSIVE VIVA-VOCE (CVV)

नोट–1 विषय समूह CCT-4,CCT-5,CCT-6 लेना अनिवार्य है।

नोट–2 विषय समूह ECT-2(1),ECT-2(2),ECT-2 (3),ECT-2(4) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

(प्रो. बी.एस. चौहान) (प्रो. नागेश्वर शिंदे) (प्रो. रामराजेश मिश्रा)

Scanned with CamScanner

सतत् शिक्षा अध्ययनशाला
विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन
एम.ए जनसंख्या शिक्षा तृतीय सेमेस्टर
सत्र 2019–2020

CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURES CODE	TITLE OF THE COURES	COURES CREDITS	NO.OF HRS PER WEEK	WEIGTHAGE FOR SEMESTER END EXMAINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNATL EXMAINATION	TOTAL MARKS
	CCT-7	जनसंख्या नीतियॉ	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-8	जनसंख्या विश्लेषण	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-9	जनसंख्या सिद्धान्त II	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-3	(1)जनसंख्या परिवर्तन	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-3	(2)जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-3 ✓	(3)जनसंख्या प्रविधियाँ	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-3	(4)जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)	5	5Hrs	60	40	100
	EDC-3	Personality Development	4	4Hrs	48	32	80
	P-3	Review	2	2Hrs			40
	CVV-3	Comprehensive viva -voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note :
CORE COURSE -(CCT)
CORE ELECTIVE COURSE-(ECT)
PRACTICAL -(P)
COMPREHENSIVE VIVA-VOCE (CVV)

नोट–1 विषय समूह CCT-7,CCT-8,CCT-9 लेना अनिवार्य है।
नोट–2 विषय समूह ECT-3(1),ECT-3(2),ECT-3(3),ECT-3(4) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

(प्रो. बी. एस. चौहान) (प्रो. नागेश्वर शिंदे) (प्रो. राकेश ... मिश्रा)

Scanned with CamScanner

सतत् शिक्षा अध्ययनशाला
विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन
एम.ए जनसंख्या शिक्षा चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र 2019—2020

CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURES CODE	TITLE OF THE COURES	COURES CREDITS	NO.OF HRS PER WEEK	WEIGTHAGE FOR SEMESTER END EXMAINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNATL EXMAINATION	TOTAL MARKS
	CCT-10	जनसंख्या बस्तियॉं	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-11	जनसंख्या मानव पारिस्थितिकी	5	5Hrs	60	40	100
	CCT-12	जनसंख्या विकास,जीवन की गुणवत्ता	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-4	(1)जनसंख्या परिवर्तन	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-4	(2)जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-4	(3)जनसंख्या प्रविधियॉं	5	5Hrs	60	40	100
	ECT-4	(4)जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)	5	5Hrs	60	40	100
	EDC-4	Tourism Management	4	4Hrs	48	32	80
	P-4	Institutional Visit	2	2Hrs			40
	CVV-4	Comprehensive viva -voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE -(CCT)

CORE ELECTIVE COURSE-(ECT)

PRACTICAL -(P)

COMPREHENSIVE VIVA-VOCE (CVV)

नोट–1 विषय समूह CCT-10,CCT-11,CCT-12 लेना अनिवार्य है।

नोट–2 विषय समूह ECT-4(1),ECT-4(2),ECT-4(3),ECT-4(4) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

(प्रों. बी.एस.चौहान) (प्रों. नागेश्वर शिन्दे) (प्रों. रामराजेश मिश्रा)

Scanned with CamScanner

जनसंख्या शिक्षा (प्रथम सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या आँकडों का स्त्रोत
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या विश्लेषण की पद्धतियां
तृतीय प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या संघटन
चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)	–	जनसंख्या परिवर्तन/ जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम/ जनसंख्या प्रविधियाँ/ जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)

जनसंख्या शिक्षा (द्वितीय सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र	–	मृत्यु दर, अस्वस्थता
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या स्वास्थ्य
तृतीय प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या सिद्धान्त I
चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)	–	जनसंख्या परिवर्तन/ जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम/ जनसंख्या प्रविधियाँ/ जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)

जनसंख्या शिक्षा (तृतीय सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या नीतियॉ
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या विश्लेषण
तृतीय प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या सिद्धान्त II
चतुर्थ प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या परिवर्तन/ जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम/ जनसंख्या प्रविधियाँ/ जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)

जनसंख्या शिक्षा (चतुर्थ सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या बस्तियॉ
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या मानव पारिस्थितिकी
तृतीय प्रश्न पत्र	–	जनसंख्या विकास,जीवन की गुणवत्ता

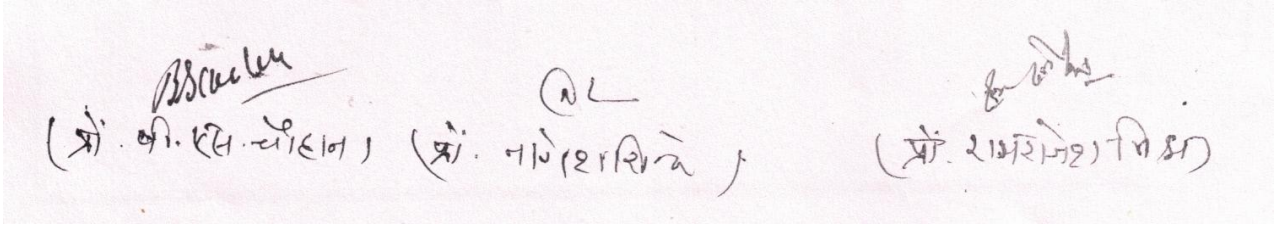

चतुर्थ प्रश्न पत्र – जनसंख्या परिवर्तन/ जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम/ जनसंख्या प्रविधियाँ/ जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)

प्रथम सेमेस्टर

CCT-1 प्रथम प्रश्न पत्र – जनसंख्या आँकडों का स्त्रोत

शिक्षार्थी का उद्देश्य: जनसंख्या अध्ययन की अवधारणा और घटकों को समझना। जनसंख्या अध्ययन की मूल बातें, वर्तमान जनसंख्या प्रवृत्तियों और जनसांख्यिकीय डेटा के स्रोतों से परिचित होना।

परिणाम : छात्र मूल अवधारणाओं और जनसंख्या अध्ययन के विभिन्न आयामों को समझने में सक्षम होंगे छात्र जनसांख्यिकीय डेटा के विभिन्न तरीकों और स्रोतों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

- विश्व : जनगणना, महत्वपूर्ण घटनाओं का पंजीयन, जनांकीय सर्वेक्षण,जनगणना पंजी।
- भारत : जनगणना, नगरीय पंजीयन पद्धति (सी. आर. एस.),नमूना पंजीयन योजना (एस. आर. एस.), राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एन. एस. एस.), जनांकीय सर्वेक्षण एवं अन्य स्त्रोत।
- प्रत्येक स्त्रोत से प्राप्त आँकडों की प्रकृति एवं परिसीमा।
- आँकडों का आकलन : आँकडों का मूल्यांकन एवं समायोजन।

CCT-2 द्वितीय प्रश्न पत्र –जनसंख्या विश्लेषण की पद्धतियाँ

शिक्षार्थी का उद्देश्य : जनसंख्या से संबंधित कई महत्वपूर्ण सिद्धांतों से परिचित कराना। जनसंख्या वृद्धि और परिवर्तन के संबंध में विभिन्न मतों और दृष्टिकोणों को समझना।

परिणाम : छात्र कुछ प्रसिद्ध जनसांख्यिकीविदों और समाजशास्त्रियों द्वारा दिए गए सिद्धांतों और विचारों को समझने में सक्षम होंगे।

- दर, अनुपात,समानुपात, प्रतिशत, व्यक्ति, माह/वर्ष, प्रभाव, व्यापकता।
- जनसंख्या वृद्धि की दरें : वृद्धि की गणितीय, ज्यामितीय एवं घातीय दरें ; विगुणित होने की अवधि ; तत्कालीन घटनाओं के स्थान ; लेक्सिस आरेख ।
- कोहॉर्ट एवं अनुप्रस्थ–काट सूचक
- अशोधित दरें एवं मानकीकृत पद्धतियाँ

(प्रो. बी. एस. चौहान) (प्रो. नागेश्वर शिन्दे) (प्रो. रामशंकर मिश्रा)

- ❖ जनसंख्या के अंतःतनगणना/पश्च–जनगणना अनुमान

CCT-3 तृतीय प्रश्न पत्र –जनसंख्या संघटन

शिक्षार्थी का उद्देश्य : जनसंख्या के हाशिए पर और वंचित समूहों के समावेशी विकास का अध्ययन और विश्लेषण करना। जनसंख्या मुद्दों के विश्लेषण में विकास प्रक्रियाओं और आईसीटी और ज्ञान पूंजी के उपयोग के विकास में। जनसंख्या अध्ययन की प्रथाओं के लिए उपयुक्त ज्ञानए कौशलए दृष्टिकोण और मूल्यों को विकसित करने में छात्रों की मदद करना, जनसंख्या अध्ययन और के क्षेत्र में सिद्धांत और व्यवहार के एकीकरण।

परिणाम छात्र आबादी के हाशिए पर और वंचित समूहों के समावेशी विकास का अध्ययन और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। छात्र जनसंख्या मुद्दों के विश्लेषण में आईसीटी और ज्ञान पूंजी के उपयोग को समझने में सक्षम होंगे।

- ❖ जनसंख्या के आकार, संगठन एवं वितरण में क्षेत्रीय तथा कालगत परिवर्तन–भारत के विशेष संदर्भ में वैश्विक परिदृश्य।
- ❖ भारत की जनसंख्या का संघटन
- ❖ जनांकिकीय संघटन
- ❖ सामाजिक संघटन
- ❖ आर्थिक संघटन
- ❖ सांस्कृतिक संघटन
- ❖ स्थिर जनसंख्या की अवधारणा
- ❖ वृद्धावस्था की अवधारणा

ECT-1 चतुर्थ प्रश्न पत्र

वैकल्पिक प्रश्न पत्र –1 जनसंख्या परिर्वतन

शिक्षार्थी का उद्देश्य : जनसंख्या परिवर्तन के तीन मुख्य घटकों को समझना। जनसंख्या परिवर्तन के विभिन्न उपायों के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त करें।

परिणाम : छात्र जनसंख्या परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में एक अंतर्दृष्टि विकसित करेंगे और प्रजनन क्षमता, मृत्यु दर और रुग्णता के कुछ बुनियादी उपायों को भी जान सकेंगे।

- ❖ वैवाहिकता एवं प्रजनन
- ❖ वैवाहिकता एवं प्रजनन की अवधारणाएँ तथा परिमाप

- ❖ भारत में प्रजनन का स्तर, प्रवृत्ति तथा विभेदक
- ❖ प्रजनन सम्बन्धी ऑकडों के स्त्रोत
- ❖ प्रजनन के निर्द्धारक – प्रजनन वि लेशण की रूपरेखा – डेविस एवं ब्लैक की प्रजनन की मध्यवर्ती चर रूपरेखा ;बोंगार्ट के प्रजनन विषयक निकट निर्धारक।

ECT- 2 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –2 जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम

शिक्षार्थी का उद्देश्य :भारत में चल रहे परिवार कल्याण कार्यक्रम इसके लाभ और उपलब्धियां और मूल्यांकन की पद्धतियों का प्रभावी मूल्यांकन के बारे में अध्ययन

परिणाम :भारत में चल रहे परिवार कल्याण कार्यक्रम इसके लाभ और उपलब्धियां और मूल्यांकन की पद्धतियों का प्रभावी मूल्यांकन के बारे में अध्ययन

- ❖ भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम का उद्भव
- ❖ विभिन्न स्तरों (राष्ट्र, राज्य, जिला) पर कार्यक्रम संगठक तथा संगठन।
- ❖ परिवार कल्याण कार्यक्रम के लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ
- ❖ कार्यक्रम प्रभाव मूल्यांकन की पद्धतियाँ
- ❖ प्रभाव मूल्यांकन।

ECT- 3 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –3 जनसंख्या प्रविधियाँ

शिक्षार्थी का उद्देश्य : जनसंख्या परिवर्तन के तीन मुख्य घटकों को समझना। जनसंख्या परिवर्तन के विभिन्न उपायों के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त करें।

परिणाम : छात्र जनसंख्या परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में एक अंतर्दृष्टि विकसित करेंगे और प्रजनन क्षमताए मृत्यु दर और रुग्णता के कुछ बुनियादी उपायों को भी जान सकेंगे

- ❖ प्रव्रजन तथा इसका परिमाप
- ❖ जनसंख्या आकलन : अंतःजनगणना तथा पश्च–जनगणना, जनसंख्या प्रक्षेपण की पद्धतियाँ।
- ❖ जनांकिकीय दरों के आकलन की अप्रत्यक्ष पद्धतियाँ
- ❖ प्रजनन दर का आकलन
- ❖ शिशु मृत्यु दर का आकलन
- ❖ व्यस्क मृत्यु दर का आकलन।

ECT- 4 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –4 जनसंख्या संसाधन

शिक्षार्थी का उद्देश्य पर्यावरण से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं और मुद्दों से परिचित होना। पर्यावरण को समझनाए इसका क्षरण और प्रबंधन और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कानूनी प्रावधान।

परिणाम पर्यावरण पर मानव प्रभाव सीमित प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थितिक संकट के बारे में छात्रों को पता चलेगा

- ❖ जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)
- ❖ प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण पर जनसंख्या तथा विकास का प्रभाव की भूमि का अवकरण, निर्वनीकरण, वायु एवं जल–प्रदूषण, वै वक उष्मा, जैव–विविधता। जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव –स्वास्थ्य, रोजगार, नगरीकरण, निर्धनता, गृह निर्माण, परिवहन, सुरक्षित पेय जल आदि।
- ❖ जनसंख्या,पर्यावरण तथा दीर्घकालीन विकास।

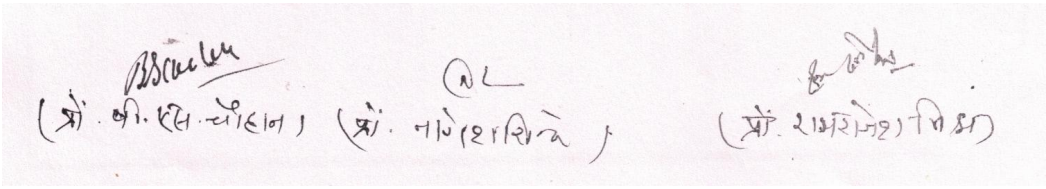

द्वितीय सेमेस्टर

CCT-4 प्रथम प्रश्न पत्र –मृत्यु दर, अस्वस्थता

शिक्षार्थी का उद्देश्य किशोरावस्था की अवधारणा और जीवन के इस चरण में होने वाले कुछ प्रमुख शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों को समझना। किशोरों की विभिन्न बीमारियों समस्याओं और चुनौतियों को जानना।

परिणाम छात्र किशोरावस्था और संबंधित अवधारणाओं को समझने में सक्षम होंगे। छात्र किशोरावस्था में स्वास्थ्य स्वच्छता और स्वच्छता के बारे में जान सकेंगे।

- ❖ मृत्यु दर – अवधारणाएँ तथा परिमाप
- ❖ भारत में शिशु मृत्यु दर तथा मातृ मृत्यु दर के विशेष संदर्भ में मृत्यु दर की प्रवृत्तियाँ, स्तर तथा निर्द्धारक मृत्यु सम्बन्धी ऑकडों का कारण
- ❖ जीवन–सारणी : जीवन–सारणी की मूल अवधारणा : जीवन–सारणी के प्रकार एवं रूप तथा नमूना जीवन–सारणी स्वास्थता–दर तथा मृत्यु दर सम्बन्धी ऑकडों के स्त्रोत।
- ❖ जनन–स्वास्थ्य : अवधारणा तथा रूपरेखा ; जनन–अस्वस्थता दर; आर.टी.आई. का व्यापकता प्रवाह (जननेन्द्रियों की संक्रमणता), एस.टी.डी. एवं एच.आई.वी./एड्स; अनुमित स्तर तथा हस्तक्षेप।

CCT-5 द्वितीय प्रश्न पत्र–जनसंख्या स्वास्थ्य

शिक्षार्थी का उद्देश्य जनसंख्या परिवर्तन में प्रवास के महत्व को समझना। प्रवास और शहरीकरण के बीच संबंधों का विश्लेषण करने के लिए।

परिणाम छात्र जनसंख्या प्रवास और शहरीकरण के बीच संबंध को समझेंगे। छात्र प्रवास और शहरीकरण से संबंधित विभिन्न सिद्धांतों और मॉडलों के बारे में कुछ ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

- ❖ प्रव्रजन एवं नगरीकरण
- ❖ मूल अवधारणाएँ तथा परिभाषाएँ
- ❖ प्रव्रजन के प्रकार –अंतर्देशीय तथा अंतर्राष्ट्रीय
- ❖ प्रव्रजन की प्रवृत्तियाँ तथा विभेदक
- ❖ प्रव्रजन के निर्धारक तथा परिणाम
- ❖ नगर की अवधारणाएँ एवं परिभाषाएँ : भारत में नगरीकरण की प्रवाह तथा प्रतिरूप

- ❖ भारत के परिप्रेक्ष्य में विकासशील देशों में नगरीकरण तथा नगरीय समस्याओं के मुद्दे।
- ❖ भारत में स्वच्छता

CCT-6 तृतीय प्रश्न पत्र–जनसंख्या सिद्धान्त I

शिक्षार्थी का उद्देश्य जनसंख्या से संबंधित कई महत्वपूर्ण सिद्धांतों से परिचित कराना। जनसंख्या वृद्धि और परिवर्तन के संबंध में विभिन्न मतों और दृष्टिकोणों को समझना।

परिणाम छात्र कुछ प्रसिद्ध जनसांख्यिकीविदों और समाजशास्त्रियों द्वारा दिए गए सिद्धांतों और विचारों को समझने में सक्षम होंगे।

- ❖ जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त –माल्थस से आधुनिक काल तक; जनसंख्या वृद्धि की परिसीमाएँ।
- ❖ जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धान्त
- ❖ प्रजननशीलता से सम्बन्धित सिद्धान्त।
- ❖ प्रव्रजन तथा नगरीकरण से सम्बन्धित सिद्धान्त।
- ❖ जनसंख्या, विकास एवं पर्यावरण
- ❖ अवधारणाएँ,परिभाशाएँ,प्रासंगिकता तथा परिमापन।
- ❖ भारत के विशेष सन्दर्भ में जनसंख्या वृद्धि, पर्यावरण एवं दीर्घकालिन विकास के बीच अन्तःसम्बन्ध।

ECT-1 चतुर्थ प्रश्न पत्र

वैकल्पिक प्रश्न पत्र –1 जनसंख्या परिर्वतन

वैवाहिकता एवं प्रजनन

वैवाहिकता एवं प्रजनन की अवधारणाएँ तथा परिमाप

भारत में प्रजनन का स्तर, प्रवृत्ति तथा विभेदक

प्रजनन सम्बन्धी ऑकडों के स्त्रोत

प्रजनन के निर्द्धारक – प्रजनन वि लेशण की रूपरेखा – डेविस एवं ब्लैक की प्रजनन की मध्यवर्ती चर रूपरेखा ;बोंगार्ट के प्रजनन विशयक निकट पिर्द्धारक।

ECT-2 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –2 जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम

शिक्षार्थी का उद्देश्य छात्रों को परिवार कल्याण की अवधारणाए इतिहासए विधियों और भारत में इसके महत्व को समझने के लिए बनाना।

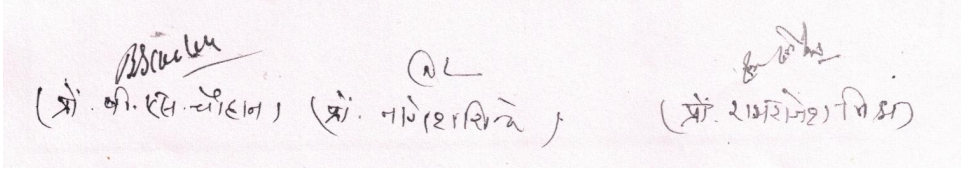

परिणाम छात्र भारत में परिवार कल्याण और कार्यक्रमों की स्थिति के बारे में जान सकेंगे। छात्र परिवार कल्याण से संबंधित डेटा के स्रोतों के बारे में भी ज्ञान प्राप्त करेंगे।

- ❖ भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम का उद्भव
- ❖ विभिन्न स्तरों (राष्ट्र, राज्य, जिला) पर कार्यक्रम संगठक तथा संगठन।
- ❖ परिवार कल्याण कार्यक्रम के लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ
- ❖ कार्यक्रम प्रभाव मूल्यांकन की पद्धतियाँ
- ❖ प्रभाव मूल्यांकन।

ECT-3 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –3 जनसंख्या प्रविधियाँ

शिक्षार्थी का उद्देश्यः प्रजनन और उसका परिमाप जनसंख्या आकलन और उसकी अप्रत्यक्ष पद्धतियां मृत्यु दर और मृत्यु दर के बारे में अध्ययन

परिणाम विद्यार्थी मृत्यु दर का आकलन मृत्यु दर का आकलन अंतर जनगणना पश्चिम जनगणना के बारे में जान सकेंगे

- ❖ प्रव्रजन तथा इसका परिमाप
- ❖ जनसंख्या आकलन : अंतःजनगणना तथा पश्च–जनगणना,जनसंख्या प्रक्षेपण की पद्धतियाँ।
- ❖ जनांकिकीय दरों के आकलन की अप्रत्यक्ष पद्धतियाँ
- ❖ प्रजनन दर का आकलन
- ❖ शिशु मृत्यु दर का आकलन
- ❖ व्यस्क मृत्यु दर का आकलन।

ECT-4 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –4 जनसंख्या संसाधन

शिक्षार्थी का उद्देश्य पर्यावरण से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं और मुद्दों से परिचित होना। पर्यावरण को समझना, इसका क्षरण और प्रबंधन और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कानूनी प्रावधान।

परिणाम : छात्रों को पर्यावरण पर मानवीय प्रभावोंए सीमित प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थितिक संकट

- ❖ जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)
- ❖ प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण पर जनसंख्या तथा विकास का प्रभाव की भूमि का अवकरण, निर्वनीकरण,वायु एवं जल–प्रदूशण, वैश्विक उष्मा, जैव–विविधता।

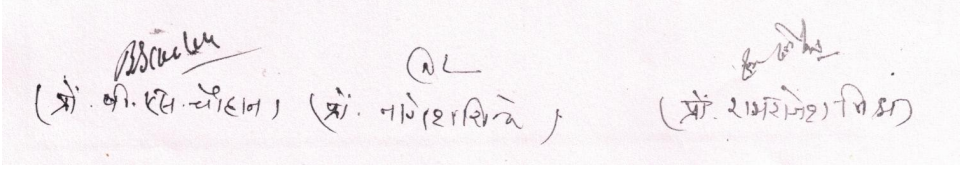

जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव –स्वास्थ्य, रोजगार, नगरीकरण, निर्धनता,गृह निर्माण, परिवहन, सुरक्षित पेय जल आदि।

- ❖ जनसंख्या, पर्यावरण तथा दीर्घकालीन विकास।

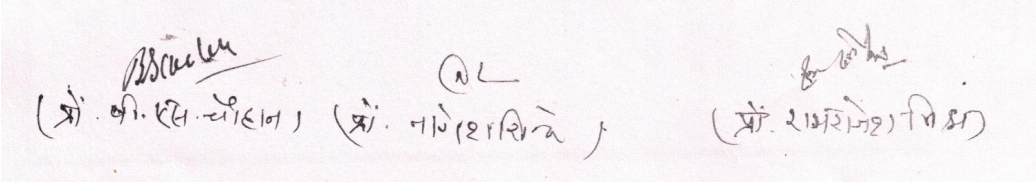

तृतीय सेमेस्टर

CCT-7 प्रथम प्रश्न पत्र–जनसंख्या नीतियॉ

शिक्षार्थी का उद्देश्य इसके अंतर्गत विद्यार्थी जीवन की गुणवत्ता भारत में जनसंख्या नीतियां और गर्भावस्था के उपरांत उसकी चिकित्सकीय समाप्ति राष्ट्रीय तथा राज्य जनसंख्या नीतियों का अध्ययन।

परिणाम गर्भावस्था गर्भावस्था की चिकित्सा की समाप्ति के बारे में जानकारी विवाह के समय आयु योन निर्धारण परीक्षण को किस प्रकार समाप्त करना को राष्ट्रीय जनसंख्या नीति और राज्य जनसंख्या नीति के बारे में जान सकेंगे ।

- ❖ वृद्धि,संरचना,वितरण एवं जीवन की गुणवत्ता के सन्दर्भ में जनसंख्या नीतियाँ; गर्भावस्था की चिकित्सीय समाप्ति (एम.टी.पी.), विवाह के समय आयु,यौन निर्धारण परीक्षणों आदि से सम्बन्धित नीतियॉ।
- ❖ भारत में राष्ट्रीय तथा राज्य जनसंख्या नीतियाँ

CCT-8 द्वितीय प्रश्न पत्र–जनसंख्या विश्लेषण

शिक्षार्थी का उद्देश्य जनसंख्या दर अनुपात समानुपात एवं प्रतिशत जनसंख्या वृद्धि दर वैवाहिक सूचकांक प्रजनन सुन सूचक मृत्यु दर्शन सूचक का अध्ययन

परिणाम जनगणना करने के लिए आंकड़ों के स्रोत जनसंख्या स्थिरीकरण की अवधारणा तथा इकाई का कुल प्रजनन दर वैवाहिक आंकड़ों के स्रोत मृत्यु दर की संघटना तथा आंकड़ों के स्रोत गर्भावस्था की समाप्ति के परिमाप के बारे में जान सकेंगे

- ❖ **दर, अनुपात, समानुपात एवं प्रतिशत** : जनसंख्या विष्लेशण में उनकी संगणना करने के लिए ऑकडों के स्त्रोत।
- ❖ **जनसंख्या वृद्धि दरें** : दशकीय वृद्धि दरें, गणितीय, ज्यामितीय तथा घातीय वृद्धि दरें। जनसंख्या स्थिरीकरण की अवधारणा तथा इकाई का कुल प्रजनन दर।
- ❖ **वैवाहिकता सूचंकांक** – उनकी संगणना एवं ऑकडों के स्त्रोत
- ❖ **प्रजनन संसूचक** –उनकी संगणना एवं ऑकडों के स्त्रोत अनुप्रस्थ–काट या अवधि संसूचक : सी.बी.आर., जी.एफ.आर., ए.एस.एफ.आर., ए.एस.एम.एफ.आर., टी.एम.एफ.आर., टी. एफ.आर, जी.आर.एन.आर.आर., प्रतिस्थापना स्तर प्रजनन,जन्म क्रम ऑकडें।
- ❖ कोहॉर्ट संसूचक : कभी–भी जन्मे शिशु, पूर्ण पारिवारिक आकार
- ❖ वय मानकीकरण अथवा समायोजन।

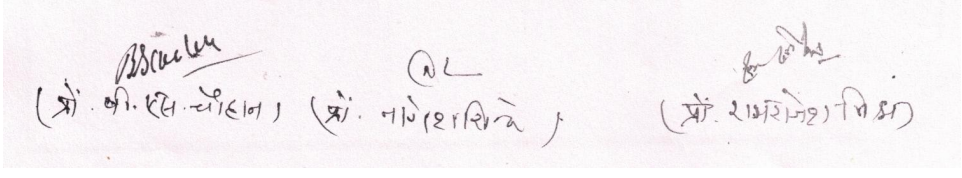

- **मृत्यु दर संसूचक** – उनकी संगणना तथा ऑकडों के स्त्रोत
- सी.डी.आर.,ए.एस.डी.आर.,आई.एम.आर., पॉच वर्श के कम, नवजात मृत्यु दर,
- जन्मोत्तर मृत्यु दर, एम.एम.आर.।
- गर्भावस्था की समाप्ति के परिमाप
- जीवन–सारणी की संगणना
- नमूना जीवन–सारणियॉ
- **अस्वस्थता–दर संसूचक** : प्रभाव, व्यापकता तथा मृत्यु संख्या के अनुपात।

CCT-9 तृतीय प्रश्न पत्र–जनसंख्या सिद्धान्त II

शिक्षार्थी का उद्देश्य मानव विकास के अनुक्रमणिका रोजगार स्वास्थ्य शिक्षा आदि पर जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव जनसंख्या एवं लिंग की अवधारणा महिला शक्ति तथा उसके जननांग की परिणाम के बारे में अध्ययन

परिणाम जनसंख्या वृद्धि का रोजगार स्वास्थ्य शिक्षा आदि पर प्रभाव उसका प्रति पालन और महिला शक्ति के बारे में जान सकेंगे

- मानव विकास अनुक्रमणिका
- खाद्य आपूर्ति, जल, स्वच्छता, गृह निमार्ण, रोजगार स्वास्थ्य, शिक्षा आदि पर जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव।
- परिस्थितिक संतुलन तथा उसका प्रतिपालन।
- **जनसंख्या एवं लिंग** लिंग की अवधारणा –जनसंख्या के संघटकों – प्रजनन दर, मृत्यु दर, प्रव्रजन –के साथ इसका सम्बन्ध।
- महिलाओं का स्तर : सामाजिक,आर्थिक,सास्कृतिक तथा स्वास्थ्य।
- महिला –शक्ति तथा उसके जनांकिकीय परिणाम।

चतुर्थ प्रश्न पत्र

ECT-1 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –1 जनसंख्या परिवर्तन

शिक्षार्थी का उद्देश्य : शहरी और क्षेत्रीय नियोजन सिद्धांतों के महत्वपूर्ण अध्ययन के माध्यम से ज्ञान और क्रिया को जोड़ना। सामुदायिक हितों की दृष्टि से नियोजन के मुद्दों की खोज और समाधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिएए मानव निपटान में जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्राकृतिक और मानव संसाधनों के न्यायसंगत और किफायती उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर देना।

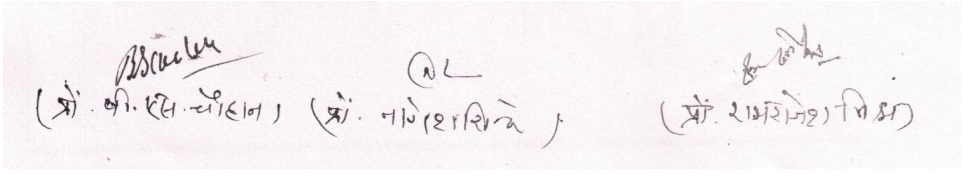

परिणाम : छात्र भूगोल और जनसांख्यिकी के बीच नियोजन और नियोजन संबंध की अवधारणा को समझने में सक्षम होंगे। छात्रों को विभिन्न महत्वपूर्ण सिद्धांतों के माध्यम से विकास और योजना का गहन ज्ञान भी प्राप्त होगा।

- ❖ वैवाहिकता एवं प्रजनन
- ❖ वैवाहिकता एवं प्रजनन की अवधारणाएँ तथा परिमाप
- ❖ भारत में प्रजनन का स्तर, प्रवृत्ति तथा विभेदक
- ❖ प्रजनन सम्बन्धी आँकडों के स्त्रोत
- ❖ प्रजनन के निर्द्धारक – प्रजनन वि लेशण की रूपरेखा – डेविस एवं ब्लैक की प्रजनन की मध्यवर्ती चर रूपरेखा; बोंगार्ट के प्रजनन विषयक निकट निर्द्धारक।

ECT-2 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –2 जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम

शिक्षार्थी का उद्देश्य भारत में परिवार का लेकर कल्याण कार्यक्रम विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम संगठन परिवार कल्याण कार्यक्रम के लक्ष्य और उसका मूल्यांकन का अध्ययन

परिणाम परिवार कल्याण कार्यक्रम के बारे में उसके संगठन के बारे में और उसकी मूल्यांकन पद्धतियों के बारे में जान सकेंगे

- ❖ भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम का उद्भव
- ❖ विभिन्न स्तरों (राष्ट्र, राज्य, जिला) पर कार्यक्रम संगठक तथा संगठन।
- ❖ परिवार कल्याण कार्यक्रम के लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ
- ❖ कार्यक्रम प्रभाव मूल्यांकन की पद्धतियाँ
- ❖ प्रभाव मूल्यांकन।

ECT-3 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –3 जनसंख्या प्रविधियाँ

शिक्षार्थी का उद्देश्यः प्रजनन और उसका परिमाप जनसंख्या आकलन और उसकी अप्रत्यक्ष पद्धतियां मृत्यु दर और मृत्यु दर के बारे में अध्ययन

परिणाम विद्यार्थी मृत्यु दर का आकलन मृत्यु दर का आकलन अंतर जनगणना पश्चिम जनगणना के बारे में जान सकेंगे

- ❖ प्रव्रजन तथा इसका परिमाप
- ❖ जनसंख्या आकलन : अंतःजनगणना तथा पश्च–जनगणना,जनसंख्या प्रक्षेपण की पद्धतियाँ।

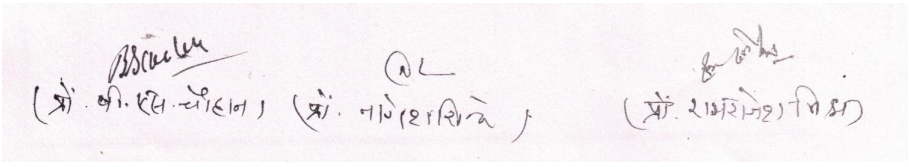

- ❖ जनांकिकीय दरों के आकलन की अप्रत्यक्ष पद्धतियाँ
- ❖ प्रजनन दर का आकलन
- ❖ शिशु मृत्यु दर का आकलन
- ❖ व्यस्क मृत्यु दर का आकलन।

ECT-4 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –4 जनसंख्या संसाधन

शिक्षार्थी का उद्देश्य पर्यावरण से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं और मुद्दों से परिचित होना। पर्यावरण को समझनाए इसका क्षरण और प्रबंधन और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कानूनी प्रावधान।

परिणाम पर्यावरण पर मानव प्रभावए सीमित प्राकृतिक संसाधनों के बारे में छात्रों को पता चलेगा और पारिस्थितिक संकट।

- ❖ जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)
- ❖ प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण पर जनसंख्या तथा विकास का प्रभाव की भूमि का अवकरण,निर्वनीकरण, वायु एवं जल–प्रदूषण, वैश्विक उश्मा, जैव–विविधता। जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव –स्वास्थ्य, रोजगार, नगरीकरण, निर्धनता, गृह निर्माण, परिवहन, सुरक्षित पेय जल आदि।
- ❖ जनसंख्या, पर्यावरण तथा दीर्घकालीन विकास।

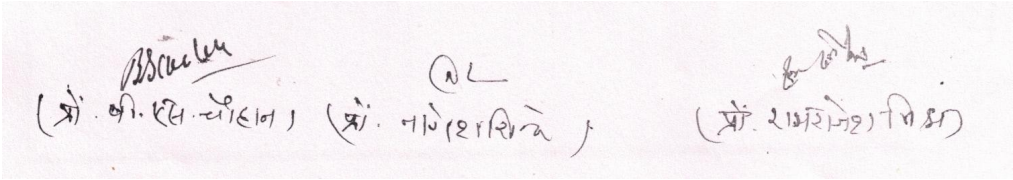

चतुर्थ सेमेस्टर

CCT-10 प्रथम प्रश्न पत्र–जनसंख्या,बस्तियॉ

शिक्षार्थी का उद्देश्य भारत में जनसंख्या का स्थानिक वितरण घनत्व और उसका परिमाप के पर्यावरणीय प्रभावी आकलन ग्रामीण तथा नगरीय सातत्य प्रव्रजन के सिद्धांत पुल एंड पुश कारक पेटरसन की प्रारूप विधि आदि का अध्ययन

परिणाम इसके अंतर्गत भारत में जनसंख्या का वितरण और उसका परिमाप अधिक जनसंख्या के पर्यावरणीय प्रभाव और विभिन्न सिद्धांतों का अध्ययन तथा मानव बस्तियों का वर्गीकरण केंद्रीकरण एवं अनुवांशिकता को मापने की पद्धतियां जान सकेंगे

जनसंख्या

- जनसंख्या का स्थानिक वितरण : घनत्व एवं संकेन्द्रण का परिमाप; स्थानिक वितरण तथा घनत्व एवं संकेन्द्रण में होने वाले सामयिक परिवर्तनों को प्रभावित करने वाले कारक; विश्व/भारत की जनसंख्या वितरण प्रतिरूप।
- जनसंख्या गतिशीलता : मूल अवधारणाएँ तथा परिभाषाएँ ; प्रसार, रूपान्तरण,गतिशीलता,प्रव्रजनन – इसके पर्यावरणीय प्रभाव आकलन; आंतरिक/अंतर्राष्ट्रीय प्रव्रजनन के निर्धारक तथा परिणाम विकसित तथा विकासशील देशों में नगरीकरण तथा प्रव्रजन; उपनगरीयकरण की प्रक्रियाएँ, ग्रामीण–नगरीय सातत्य।
- प्रव्रजन के सिद्धान्त, पुल एण्ड पुश कारक, ली का प्रव्रजन सिद्धान्त, रैवेन्स्टीन की प्रव्रजन–विधि। पेटर्सन की प्ररूप –विज्ञान; स्टाउफर का मध्यवर्ती अवसरों व प्रतिस्पर्द्धी प्रव्रजकों का नमूना; गुरूत्व के नमूने, हैरिस–टोडारो का प्रव्रजन –नमूना।

  बस्तियाँ :मानव बस्तियाँ : वर्गीकरण, उद्भव एवं वृद्धि; आकारिकी, भू–उपयोग तथा कार्य; स्थानिक संगठन, केन्द्रीकरण एवं आनुवंशिकता के सिद्धान्त; केन्द्रीकरण एवं आनुवंशिकता को मापने की पद्धतियाँ; केन्द्रीय स्थल क्षेत्र।

CCT-11 द्वितीय प्रश्न पत्र –जनसंख्या मानव पारिस्थितिकी

शिक्षार्थी का उद्देश्य मानव पृथ्वी की संगठन की रचना और उसकी भूमिका भौतिक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक आदि पारिस्थितिकी असंतुलन एवं इससे दूर करने की युक्तियां का अध्ययन

परिणाम मानव पारिस्थितिकी प्रक्रियाओं के अंतर्गत प्राचीन एवं आधुनिक विचार प्राकृतिक पारिस्थितिकी असंतुलन और इससे दूर करने की युक्तियों तथा मानव पर पड़ने वाले प्रभाव जान सकेंगे

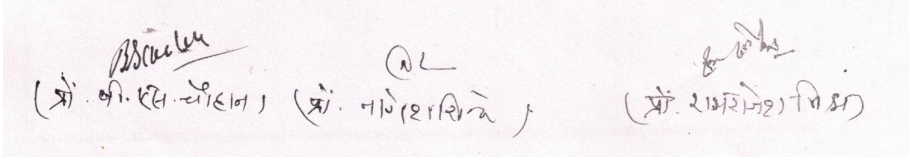

- ❖ तद्विशयक प्राचीन एवं आधुनिक विचार; मानव पारिस्थितिकी प्रक्रियाएँ (यथा, संकेन्द्रण–विखंडन द्विभाजन,अभिकेन्द्रीय–अपकेन्द्रीय बल) एवं मानव पारिस्थितिकी संगठन की रचना में उनकी भूमिका।
- ❖ मानव पारिस्थितिकी संगठन : भौतिक, सामाजिक–आर्थिक, सास्कृतिक; औपचारिक / अनौपचारिक।
- ❖ पारिस्थितिकी असंतुलन एवं इसे दूर करने की युक्तियॉ : प्राकृतिक कारकों द्वारा उत्पन्न पारिस्थितिकी असंतुलन;मानवीय कारक, मानवीय पारिस्थितिकी तंत्रों पर पडने वाला प्रभाव मानव द्वारा ऐसे असंतुलनों का प्रत्यक्ष ज्ञान तथा अनुकूलन; क्षेत्रीय पारिस्थितिकी के संन्दर्भ में दीर्घकालिक जनसंख्या एवं दीर्घकालिक बस्तियां

CCT- 12 तृतीय प्रश्न पत्र–जनसंख्या, विकास, जीवन की गुणवत्ता

शिक्षार्थी का उद्देश्य जनसंख्या मामलों, पर्यावरण और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और मांग के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करना। विकास पर जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव और परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना।

परिणाम छात्र जनसंख्या और विकास के बीच संबंध को समझने में सक्षम होंगे। छात्र जनसंख्या वृद्धि प्रभावों के बारे में एक अंतर्दृष्टि विकसित करेंगे और जनसंख्या वृद्धि के निराशावादी और आशावादी दृष्टिकोण का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।

- ❖ **जनसंख्या** : जनसंख्या एवं आर्थिक विकास के बीच सम्बन्ध के विषय में भिन्न दृष्टिकोण। क्या जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास के मार्ग में एक बाधा है कोल एवं हूवर अध्ययन, वृद्धि अध्ययन की परिसीमाएँ,एन्के का निवेश प्रतिमान उपागम,जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास में सहायक है – कॉलिन क्लार्क, एस्टनेर बोसेरप, जूलियन साइमन के विचार, विकास सर्वश्रेश्ठ सुरक्षामूलक है –बुखारेस्ट विवाद।
- ❖ **विकास** : विकास की परिवर्तनशील अवधारणा – समानता पर बल – मानव–केन्द्रित विकास की और –कल्याण उपागम –मानव सम्पदा उपागम में निवेश ,जीवन अनुक्रमणिकता का भौतिक गुणवत्ता (पी.क्यू.एल.आई.), मानव विकास अनुक्रमणिकता (एच.डी.आई.)

ECT- 1 चतुर्थ प्रश्न पत्र

वैकल्पिक प्रश्न पत्र –1 जनसंख्या परिर्वतन

शिक्षार्थी का उद्देश्य भारत में वैवाहिक की अवधारणा एवं परिमाप प्रजनन का स्तर प्रजनन संबंधी आंकड़ों के स्रोत प्रजनन निर्धारक सिद्धांत का अध्ययन

परिणाम वैवाहिक था एवं प्रजनन प्रजनन संबंधी आंकड़ों के स्रोत और प्रजनन के निर्धारक सिद्धांतों के बारे में जान सकेंगे

- ❖ वैवाहिकता एवं प्रजनन
- ❖ वैवाहिकता एवं प्रजनन की अवधारणाएँ तथा परिमाप
- ❖ भारत में प्रजनन का स्तर, प्रवृत्ति तथा विभेदक
- ❖ प्रजनन सम्बन्धी ऑकडों के स्त्रोत
- ❖ प्रजनन के निर्द्धारक – प्रजनन वि लेशण की रूपरेखा – डेविस एवं ब्लैक की प्रजनन की मध्यवर्ती चर रूपरेखा ; बोंगार्ट के प्रजनन विषयक निकट निर्द्धारक।

ECT- 2 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –2 जनसंख्या कल्याण कार्यक्रम

शिक्षार्थी का उद्देश्य भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम के उद्भव उस की उपलब्धियां को प्रभावी मूल्यांकन की पद्धतियों का अध्ययन

परिणाम परिवार कल्याण कार्यक्रम की सफलता उसके संगठन और उस उपलब्धियां तथा प्रभावी मूल्यांकन की पद्धतियों के बारे में जान सकेंगे

- ❖ भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम का उद्भव
- ❖ विभिन्न स्तरों (राष्ट्र, राज्य, जिला) पर कार्यक्रम संगठक तथा संगठन।
- ❖ परिवार कल्याण कार्यक्रम के लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ
- ❖ कार्यक्रम प्रभाव मूल्यांकन की पद्धतियाँ
- ❖ प्रभाव मूल्यांकन।

ECT- 2 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –3 जनसंख्या प्रविधियाँ

शिक्षार्थी का उद्देश्य भारत में प्रव्रजन तथा इसका परिमाप जनसंख्या आकलन जनसंख्या प्रक्षेपण की पद्धतियां प्रजनन दर का आकलन शिशु एवं वयस्क मृत्यु दर का आकलन का अध्ययन

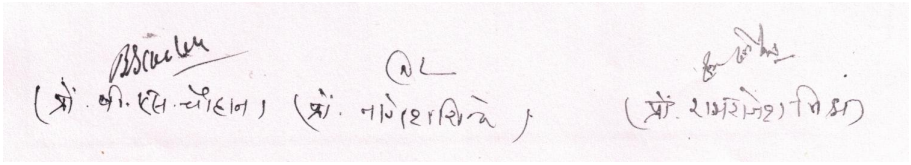

परिणाम जनसंख्या आकलन की प्रत्यक्ष पद्धतियों अप्रत्यक्ष पद्धतियों शिशु एवं मातृ मृत्यु दर के आकलन के बारे में जान सकेंगे पद्धतियों

प्रव्रजन तथा इसका परिमाप

जनसंख्या आकलन : अंतःजनगणना तथा पश्च–जनगणना,जनसंख्या प्रक्षेपण की पद्धतियाँ।

जनांकिकीय दरों के आकलन की अप्रत्यक्ष पद्धतियाँ

प्रजनन दर का आकलन

शिशु मृत्यु दर का आकलन

व्यस्क मृत्यु दर का आकलन।

ECT-4 वैकल्पिक प्रश्न पत्र –4 जनसंख्या संसाधन(पर्यावरण)

शिक्षार्थी का उद्देश्य पर्यावरण से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं और मुद्दों से परिचित होना। पर्यावरण को समझना, इसका क्षरण और प्रबंधन और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कानूनी प्रावधान।

परिणाम : छात्रों को पर्यावरण पर मानवीय प्रभावोंए सीमित प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थितिक संकट

- ❖ जनसंख्या संसाधन (पर्यावरण)
- ❖ प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण पर जनसंख्या तथा विकास का प्रभाव की भूमि का अवकरण,निर्वनीकरण, वायु एवं जल–प्रदूषण, वैश्विक उश्मा, जैव–विविधता। जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव –स्वास्थ्य, रोजगार, नगरीकरण, निर्धनता, गृह निर्माण, परिवहन, सुरक्षित पेय जल आदि।
- ❖ जनसंख्या, पर्यावरण तथा दीर्घकालीन विकास।